Lkeh{kk

2009-10

महिला उमंग प्रौड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, जिला–अल्मोडा
फोन न0 05966- 240430, 221516 Email umang@grassrootsindia.com

Ikfjp;

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड, कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन दि0 09-01-2009 को पंजीकृत हैं।

उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को संगठित कर पर्यावरणीय सामंजस्य बनाते हुए आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।

इस संगठन की यात्रा स्न 2001 में पैन हिमालयन ग्रासरूटस डवनपमेंट फाउन्डेशन के साथ आजीविका सुधार एवं क्षमता वृद्धि के कार्यक्रमों के फलस्वरूप स्थानीय महिलाओं द्वारा नेतृत्व ग्रहण कर महिला उमंग समिति की स्थापना एक स्वंय सेवी संस्था के रुप में आरम्भ की गयी थी। स्वयं सहायता समूहों का गठन कर, विभिन्न समूदायिक एंव आजीविका विकास कार्यक्रमों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण हेतु अनुकूल मंच तैयार करने का प्रयास सफलता पूर्वक किया गया।

आजीविका विकास कार्यक्रमों के सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप सभी सदस्यो के आपसी विचार विर्मश द्वारा उमंग के स्वरुप में बदलाव लाने का प्रस्ताव पारित किया गया एंव कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत पंजिकृत किया गया।

महिला उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता,स्वावलम्बन मांग के अनुसार परिवर्तन एंव उचित व्यापार के मूल सिद्वान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

उमंग के सभी क्रियाकलापों को सुनियोजित एवं व्यवस्थित ढंग से संचालन करने हेतु समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग ने अपनी निजी कार्यशाला की स्थापना 21 जनवरी 2010 को ग्राम नैनी, जिला अल्मोडा में की गयी। इसकी व्यवस्था संम्पूर्ण रूप से ग्रासरूटस संस्था के सहयोग से सफल हो पायी।

समीक्षा वर्ष में आजीविका कार्यक्रमो को अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर जिले के 11 विकास खण्डो के लगभग 70 गॉवों में संचालित किया गया।

mex mRikndk dk xBu Lo; lgk;rk leg d #i e

- विगत वर्षो की भांति उमंग स्वयं सहायता समूहो का गठन एंव सदस्यो की क्षमतावृद्धि के लिए ठोस कदम उठाती रही है।

- समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा 14 स्वयं सहायता समूहो का गठन किया गया है। जिसमें 199 महिलाओं द्वारा सदस्यता ग्रहण कर प्रति माह अपनी सुविधानुसार 10 से 100 रुपये तक की बचत करते है। संचित रुप से 168 स्वंय सहायता समूहों का गठन किया गया है जिससे 2500 महिलाएं जुडी है। इन समूहों के माध्यम से महिलाओं को मिलने जुलने अपने विचारों को प्रकट करने एंव एक दुसरे की समस्याओं पर विचार कर उसका समाधान निकालने के लिए एक मंच मिला है। विषेशकर यह समूह जल, जंगल, जमीन व आजीविका की समस्याओं को लेकर कार्य कर रहे है। विगत वर्ष में उक्त समूहों द्वारा महिला उमंग प्रौड्यूशर कम्पनी लिमिटेड की स्थापना की गयी।
- इन समूहों के कोष में लगभग रुपया 32,28,728 जमा हो गया है। इस वर्ष 329 महिलाओं को कुल रुपया 13,87,951 का ऋण दिया गया है। इस ऋण का उपयोग महिलाओं ने अपने बच्चो की शिक्षा मकान ,शौचालय बनाने , बिमारी, गाय–भैंस खरीदने एंव विवाह आदि कार्यो को करने हेतु लिया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।
- बचत एंव ऋण के साथ–साथ 95 (57 प्रतिशत) स्वंय सहायता समूह उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं।

Lkeg d ek/;e l nhik ,o uhek dh ftUnxh e ifjorlu&

मेरा नाम दीपा जोशी है मैं ग्राम दरमाङ,ब्लॉक द्वाराहाट ,जिला अल्मोङा की निवासी हूॅ , हम दो बहनें एवं एक भाई हैं । जब मै कक्षा पॉच मे पढ.ती थी तब मेरे पिताजी का देहान्त हो गया था, परिवार में सबसे बडी होने के कारण परिवार के पालन पोषन की जिम्मेदारी में अपनी मॉ का हाथ बॉटने के लिए मजबूर हो गयी।

मै स्कूल आते– जाते समय गॉव वालो का सामान लाती – ले जाती थी जिससे मिले पैसों से मेरी पढ.ाई का खर्च चल जाता था । फिर उमंग द्वारा हमारे गॉव मे स्वंय सहायता समूह खोला गया जिससे जुङकर बुनाई से मिले पैसों से मेरे घर की आमदनी बढने लगी। फिर मैने उमंग से जुङने की इच्छा जताई, फलस्वरूप आज मै फल संरक्षण युनिट में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत हूॅ। यहॉ काम करते हुए मैने बी0 ए0 तक की पढाई पूरी की और अपना मकान भी बना लिया। समूह में प्रति माह जमा धनराशि से मैने अपना लोन भी चुका दिया हैं। अब मैं अपने भाई बहन को भी पढाई करवाने में सक्षम हूॅ।

मेरा नाम नीमा बिष्ट हैं । मै ग्राम गैगखाल ब्लॉक ताडीखेत जिला अल्मोडा की निवासी हूॅ। तीन वर्ष पहले मैं बहुत परेशान थी मेरे पति का स्वास्थ्य ठीक नही रहता था, चाय पानी की दुकान से घर चलता था। मेरे पति बहुत शराब पीते थे , बच्चों का पोषण करना मुशकिल हो गया, कुछ समय बाद मेरे पति का देहान्त को गया तो मुझे लगा मेरा सब कुछ खत्म हो गया। बच्चे बहुत छोटे थे अपना घर भी नही था। फिर मुझे उमंग के बारे में पता चला और इससे जुड.कर मैने बुनाई करना शुरु कर दिया, और कनाडी गधेरे के अन्य ग्रामों में इच्छुक महिलाओं को बुनाई का प्रशिक्षण दे कर 60 महिलाओं का समूह गठन कर आजीविका के साधनों को उन तक पहुचाने में सहायक बनी। मैं बहुत खुश हूॅ जिन्दगी के उतार चढावो के बीच आज उमंग से जुड. कर में अपने बच्चों को अच्छी तरह से पढा लिखा रही हूॅ , अच्छी जिन्दगी दे रही हूॅ ।

समीक्षा वर्ष में संचालित आजीविका विकास कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित है।

cukbZ dk;Zde

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 824 महिलाए हाथ के बुने ऊनी उत्पादों का उपादन कर रही है। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है।

cukbZ ifj;kstuk ls tqMs leqgks dk o"kZokj vk; fooj.k

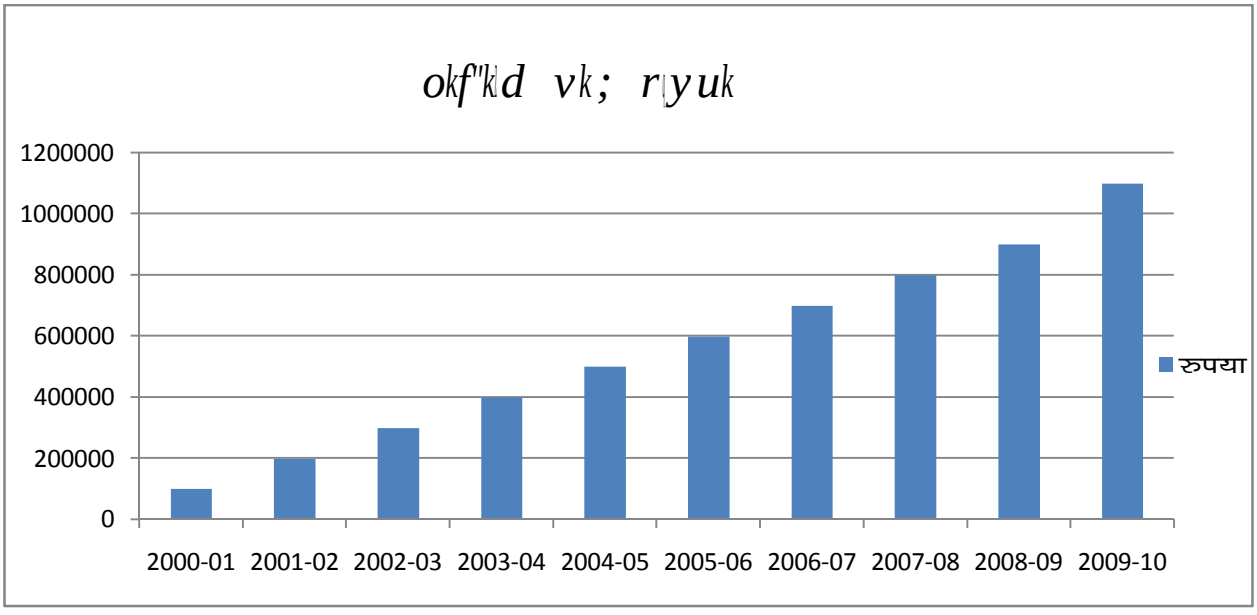

बुनाई कार्यक्रम के तहत 46 केन्द्रों का संचालन कर 85 गॉवों की 824 महिलायें जुडी है, जिसका विवरण निम्नवत है।

- समीक्षा वर्ष के दौरान 824 महिलाओं ने रु. 54,46,321 का उत्पादन किया ।
- इनके द्वारा रुपया 11,60,000 की बुनाई कर अतिरिक्त आय के रुप में कमाया एंव परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधारने में योगदान दिया।
- महिलाओं को स्वंय सहायता समूह के माध्यम से प्रतिभागी के उत्पादन के अनुसार रूपया 57,500 बोनस के रुप में वितरण किया गया।
- सामान्यतः 79 प्रतिशत महिलाओं ने 2000 रूपया, 18 प्रतिशत महिलाओं ने 5000 रुपया एंव 3 प्रतिशत महिलाओं ने 5000 रुपये से ऊपर वार्षिक आय अर्जित की।
- समीक्षा वर्ष के दौरान बुनाई सामाग्री की कुल बिक्री रुपया 34,49,638 हुई, जो कि विगत वर्ष की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है। ज्योति समूह मालरोड ने प्रथम स्थान रोशनी समूह रायस्टेट ने द्वितीय स्थान, और सहयोग समूह कौसानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

l|jf{kr [kk| ,o eku ikyu dk;|de

पहाडी क्षेत्रो के आर्थिक विकास का आधार कृषि एंव बागवानी है। जिसे मद्देनजर रखते हुए, एक उचित उद्यम की स्थापना कर, स्वंय सहायता समूहों के माध्यम से कास्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु हमें भारत सरकार द्वारा नियंत्रित एफ0 पी0 ओ0 का लायसेंस भी प्राप्त है। उमंग सगंठन कुमॉऊनी ब्रॉन्ड के नाम से निम्नलिखित उत्पादो को विक्रय कर कास्तकारों की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में कार्यरत हैं।

- इस कार्यक्रम हेतु 187 कास्तकारों से रु. 2,05,512 का कृषि उत्पाद क्रय किया गया जिसमे 91 कास्तकार 24 समूहो के माध्यम से इस कार्यक्रम से जुडे. हैं।
- फल उत्पादको को रुपया 11,412 बोनस के स्वरुप वितरित भी किया गया ।
- समीक्षा वर्ष के दौरान विभिन्न संरक्षित वस्तुओं की विक्री रुपये 17,03,358 हुई जो की विगत वर्ष की तुलना में 57 प्रतिशत अधिक हुई है।
- इस वर्ष 21 मौन पालको से 5301 किलो शहद रु. 5,36,230 /- में क्रय किया गया।

- समीक्षा वर्ष के दौरान शहद की बिक्री रु. 10,28,162 हुई जो कि विगत वर्ष की तुलना में 108 प्रतिशत अधिक है।
- इन उत्पादो को बनाने में 2,820 मानव दिवस सर्जित हुये।

fge[kk|; dk;Zde

विगत तीन वर्षो से प्रयोगिक तौर पर चलाये जा रहे हिमखाद्यय कार्यक्रम को और मजबूती एंव उचित बाजार की व्यवस्था कर लुप्त हो रही पारम्परिक फसलो के उत्पादन को प्रोत्साहन एंव प्रचार– प्रसार करने के लिये स्वंय सहायता समूह के माध्यम से क्रय विक्रय किया जा रहा हैं। जिसके अच्छे परिणाम आये हैं।

- समीक्षा वर्ष में उमंग द्वारा 227 कास्तकारो का 22,747 किलो उत्पाद रु.12,01,632 में खरीदा।
- गगास घाटी के दुसाद गधेरे में कास्तकारों के साथ जैविक खेती को बढ.ावा दिये जाने का प्रयास किया जा रहा है। जैविक सहभागी प्रमाणिकरण की प्रक्रिया द्वारा 45 समूह के 480 कास्तकारों ने जैविक खेती को अपनाया है।
- समीक्षा वर्ष के दौरान हिमखाद्यय सामाग्री की कुल बिक्री रु0 14,34,194 रही जो विगत वर्ष की तुलना में 135 प्रतिशत अधिक है और रु. 23,750 बोनस के रुप में वितरित किया गया।

<u>उपरोक्त सूक्ष्म उद्यमो के साथ चलाए जा रहे अन्य आजिविका कार्यक्रम</u>

?kjsyw i;ZVu

उमंग द्वारा ग्रासरूटस के गठबन्धन में आय बढ.ाने हेतु घरेलू पर्यटन को पिछले तीन वर्षो से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप सें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारो के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को तीन गॉवों के 10 परिवारों में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने 3,000 रुपयें से 26,000 रुपय तक की अतिरिक्त आय अर्जित की। समीक्षा वर्ष के दौरान 10 परिवारों द्वारा कुल रु0 1,31,600 की आय अर्जित की गयी।

ekecRrh dk;Zde

जीजाबाई स्वंय सहायता समूह, मजखाली, द्वारा 15,000 रु. की मोमबत्ती दीवाली के अवसर पर लोकल बाजार में विक्रय की गयी। अब ये स्वयं सहायता समूह मोमबत्ती के

कार्य में सक्षम होता जा रहे हैं। इसके साथ–साथ बी वेक्स से निर्मित मोमबत्तीयों की रु. 11,633 विक्री की गयी।

e|xh ikyu dk;|de

आय अर्जित करने के अन्य साधनों को प्रोत्साहन देने के लिए सूक्ष्म रुप मे मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा, नैनीताल , बागेश्वर जिले में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा हैं। समीक्षा वर्ष के दौरान 4 ब्लॉक के 113 लाभार्थीयो को 1278 मुर्गीयो का वितरण किया गया।

विगत सात वर्षो के दौरान उमंग द्वारा 29,271 मुर्गी के बच्चों का वितरण किया जा चुका हैं। इस परियोजना के द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय रु. 2,500 से 3,000 तक हो जाती हैं। इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ कि बच्चों के पोषण में अण्डो के उपभोग से सुधार आया है।

> मै कमला देवी पत्नी नरीराम ग्राम दमतोला, ब्लॉक हवालबाग, जिला अल्मोडा की निवासी हूँ। मैं पिछले पॉच वर्षो से उमंग के माध्यम से मुर्गी पालन का कार्य कर रही हूँ , विगत वर्ष में मैने 30 मुर्गीयॉ खरीदी जिससे 10 मुर्गी 300 की दर से 3000 रुपये में बेची और 7 मुर्गीया 2700 रु. तक की स्वयं घर मे प्रयोग की। 10 मुर्गीयों ने पूरे वर्ष में 1000 अण्डे दिये जिनका मूल्य 5 रुपये की दर से 5000 होता है, पूरे वर्ष मे मेरी 12,500 रुपये की आय हुई। 30 मुर्गीयो में मेरा 1900 रुपये का खर्चा हुआ लेकिन खर्चे के बाद भी मुझे 10,600 रुपये का फायदा हुआ। मुर्गी पालन एक अच्छा व्यवसाय है।

vkthfodk dk;|de & ,d >yd e|

dk;|de dk uke	*ykHkkfUor lnL;k dh l|0*	*d|y mRiknu #-*	*d|y vk; /kujkf'k #-*
बुनाई	824	54,46,321 #-	11,60,000
फल संरक्षण	187	13,361 कि0ग्रा0	2,05,512
हिमखाद्यय	227	22,747 कि0ग्रा0	12,01,632
मधुमक्खी पालन	21	5,301 कि0ग्रा0	5,36,320
मुर्गी पालन	113	1,278 संख्या	3,45,060
घरेलू पर्यटन	10		1,31,200
मानव दिवस	7	2,820 संख्या	2,39,711
d|y ;kx	**1,389**		**38,19,435**

आजीविका कार्यक्रमो के अर्न्तगत प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त सदस्यो की सूची :-

fooj.k	*J\.kh*	*efgyk dk uke*	*leg dk uke*	*mRikn l\ vk; :0*	*ckul l\ vk; :0*	*d\y vk; :0*
c\ukb	प्रथम	भावना सती	ज्योति समूह (मालरोड)	14,805	734	15,539
	द्वितीय	बसन्ती पवार	निरन्तर समूह (रायस्टेट)	13,320	660	13,980
	तृतीय	ममता मलवाल	सहयोग समूह (कौसानी)	12,500	620	13,120
fge[kk\;	प्रथम	नन्दी देवी	उजागर समूह (सैलटाना)	11,280	760	12,040
	द्वितीय	हेमा देवी	उत्थान समूह (टनौला)	8,880	598	9,478
	तृतीय	चम्पा देवी	कृषि समूह (बासुलीशेरा)	6,105	411	6,516
Qy l\j{k.k	प्रथम	गंगा बिश्ट	विश्वास समूह (बनोलिया)	5223	290	5,513
	द्वितीय	कमला अधिकारी	विश्वास समूह (बनोलिया)	4,727	263	4,990
	तृतीय	लीला अधिकारी	विश्वास समूह (बनोलिया)	3,504	195	3,699
l{e m\e	प्रथम	बसन्ती पवार	निरन्तर समूह (रायस्टेट)	24,196	660	24,856
	द्वितीय	मथुरा देवी	हरियाली समूह (कालिका)	21,854	210	22,064
	तृतीय	माया खर्कवाल	उत्साह समूह (कौसानी)	18,411	509	18,920

महिला उमंग उत्पादक संगठन की प्रथम समीक्षा का समापन करते हुए हम अपने सभी शुभचिन्तकों, उत्पादक सदस्यगण, हमारे द्वारा उत्पादित वस्तुओं के सभी केताओं एंव ग्रासरुटस का आभार प्रकट करते हैं।